स्मार्ट सिटी लिमिटेड, आगरा

आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत आगरा स्मार्ट सिटी एडवाईजरी फोरम की द्वितीय बैठक श्री राम शंकर कठेरिया, मा0 सांसद, आगरा/अध्यक्ष, अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग, भारत सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 22.11.2018 को सायं 4:00 बजे सभागार सर्किट हाउस, आगरा में सम्पन्न हुई। जिसका कार्यवृत्त निम्न प्रकार है :–

उपस्थिति अधिकारीगण :–

क्र.	नाम	पदनाम	मोबाइल नं0
01.	श्री राम शंकर कठेरिया	मा0 सांसद/अध्यक्ष, अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग	9017180116
02.	श्री नवीन जैन	मा0 महापौर, नगर निगम, आगरा	9837072895
03.	श्री जगन प्रसाद गर्ग	मा0 विधायक, आगरा उत्तर	8765954788
04.	डॉ0 जी.एस. धर्मेश	मा0 विधायक – आगरा छावनी	9760843130
05.	श्री राम प्रताप सिंह	मा0 विधायक, एत्मादपुर	8887150886
06.	श्री अनिल कुमार	मण्डलायुक्त/अध्यक्ष, आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड	9454417491
07.	श्री अरुण प्रकाश	नगर आयुक्त/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आगरा स्मार्ट सिटी लि0	9358277455
08.	श्रीमती कंचन सरन	जिलाधिकारी प्रतिनिधि, अपर जिलाधिकारी (प्रो.)	9454417657
09.	डॉ0 रोहित बंसल	लोकल यूथ सेक्रेटरी, "द विजन" आगरा/सदस्य	9412526836
10.	डॉ0 अरविन्द मिश्रा	सलाहकार, कुलपति, आगरा/अध्यक्ष, लायन्स क्लब/सदस्य	9837085576
11.	डॉ0 वाई.के. गुप्ता	प्रो.चांसलर, शारदा ग्रुप/सदस्य	9837031441
12.	डॉ0 संदीप अग्रवाल	सेक्रेटरी, आगरा कैंसर सोसाइटी (स्लम लेवल फेडरेशन)/सदस्य	9927086266
13.	डॉ0 के.हन्स राज	डीन, इन्जीनियरिंग, डी.ई.आई., दयालबाग, आगरा	9358877956
14.	श्री मनीष मित्तल	डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट ऑफिसर, आगरा	7839435137
15.	श्री प्रशान्त कुमार प्रसाद	पुलिस अधीक्षक (यातायात), आगरा	9454401008
16.	श्री राजीव जैन	मुख्य अभियन्ता, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	9412719715
17.	श्री आर.एस. प्रचेता	मुख्य अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम, आगरा	9990085205
18.	श्री विजय कुमार	अपर नगर आयुक्त/अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी,एएससीएल	7300740601
19.	श्री अजय सिंह	मुख्य अभियन्ता, आगरा विकास प्राधिकरण, आगरा	7900297111
20.	श्री कौशल कुमार	डिप्टी डायरेक्टर, हाल्ट्रीकल्चर, आगरा	9412463510
21.	श्री योगेश पवार	अधीक्षण अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, आगरा	7599380121
22.	श्री आर..के. सिंह	ए.एस.आई., आगरा सरकिल, आगरा	9412344045
23.	डॉ0 राजेन्द्र यादव	उप निदेशक, सूचना	9453005370
24.	श्री अरविन्द कुमार	उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम, आगरा	9760372837
25.	मौ0 जावेद	प्रोजेक्ट मैनेजर, उ.प्र.राजकीय निर्माण निगम, आगरा–2	9794248786
26.	श्री नरेश कुमार	अधिशासी अभियन्ता, सी.डी.–1/पी.डी.,पी.डब्ल्यू.डी. आगरा	9412806817
27.	श्री आर.के. सिंह	अधिशासी अभियन्ता/नोडल अधिकारी, आगरा स्मार्ट सिटी लि0	7300740617
28.	श्री अमित	डिप्टी डायरेक्टर, यू.पी. टूरिज्म, आगरा डिवीजन, आगरा	9415115510
29.	श्री मनीष धीमान	प्रतिनिधि, टौरेन्ट पावर लिमिटेड	9690010059
30.	श्री वसन्त कुमार	एस.ए.,ए.एस.आई. आगरा सरकिल, आगरा	9868794808
31.	श्री महेश कुमार	प्रोजेक्ट इंजीनियर, वर्ड बैंक, यू.पी. जल निगम, आगरा	9410434580
32.	श्री आर.एस. यादव	महाप्रबन्धक, जलकल विभाग, नगर निगम, आगरा	8192095201
33.	श्री अनुराग त्यागी	ए.पी.एस., एस.सी., कमिश्नर	9457355806
34.	मिस. देविना अग्रवाल	अर्बन डिज़ाइनर/प्लानर, आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड	8393889995
35.	श्री कुमार वैभव सक्सैना	सिविल इंजीनियर, पी.एम.सी. आगरा स्मार्ट सिटी	9027175241
36.	सीएस. प्रियन्का	कम्पनी सैक्रेटरी, आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड	9119064567

37.	मिस. मिथिला संकपाल	इन्टर्न, आगरा स्मार्ट सिटी	8055511948
38.	श्री आनन्द मेनन	वाइस प्रेसीडेन्ट, दाराशाह. आगरा स्मार्ट सिटी	9860382302
39.	श्री विनोद गर्ग	टीम लीडर, पी.एम.सी., आगरा स्मार्ट सिटी लि0	8930868414
40.	श्री अरुण कुमार	कन्स्ट्रक्शन मैनेजर, पी.एम.सी. आगरा स्मार्ट सिटी	9737708222
41.	श्री सतीश अजमायर	कॉन्ट्रक्ट स्पेशिलिस्ट, दाराशाह, आगरा स्मार्ट सिटी	9922918725
42.	श्री देवेश अग्रवाल	हेरिटेज कन्जर्वेशन एक्सपर्ट, पीएमसी, आगरा स्मार्ट सिटी	9412723212
43.	श्री हर्षित सिंघल	आर्किटैक्ट, पीएमसी, आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड	7300780580
44.	श्री सुमित करमारकर	इन्टर्न सिविल, आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड	7906900216

मा0 सांसद/अध्यक्ष, अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग – द्वारा सभी आगन्तुक सदस्यों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए आज की बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ करने हेतु नगर आयुक्त/मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निर्देशित किया गया।

नगर आयुक्त/मुख्य कार्यकारी अधिकारी – द्वारा सभी माननीय जनप्रतिनिधियों/सदस्यों एवं अधिकारियों का स्वागत करतें हुए आज की बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। एजेन्डे के बिन्दु–1 आगरा स्मार्ट सिटी एडवाईजरी फोरम की प्रथम बैठक दिनांक 31.10.2018 के कार्यवृत्त की पुष्टि करने हेतु सभी सदस्यों द्वारा आगरा स्मार्ट सिटी एडवाईजरी फोरम की प्रथम बैठक दिनांक 31.10.2018 के कार्यवृत्त की सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी।

एजेन्डे के बिन्दु–2 आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड के कार्यों के प्रस्तुतिकरण एवं समीक्षा करने हेतु टीम लीडर, पीएमसी, आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड को निर्देशित किया गया कि पिछली बैठक में दिये गये निर्देशानुसार आगरा नगर की सीमा में प्रवेश करने वाले मुख्य मार्गों पर बनाये जाने वाले द्वारों के डिज़ाइन आदि का प्रस्तुतिकरण सर्वप्रथम किया जाये।

श्री देवेश अग्रवाल, हेरिटेज कन्जर्वेशन एक्सपर्ट, पीएमसी – द्वारा आगरा स्मार्ट सिटी एन्ट्रेन्स गेटवे फॉर दि सिटी ऑफ ताज (1) एनएच–11 आगरा–जयपुर बीकानेर रोड (फतेहपुरसीकरी रोड, नियर आगरा–बाईपास) के 8 आर्किटेक्चुरल स्टाइल के डिज़ाइन, (2) एनएच–2 (आगरा–मथुरा रोड, नियर सूर कुटीर सरोवर) के 9 डिज़ाइन, (3) एनएच–44 (आगरा–ग्वालियर रोड, नियर बुन्दूकटरा सब्जी मण्डी) के 7 डिज़ाइन, (4) एनएच–93 (आगरा–अलीगढ़ रोड, नियर टेड़ी बगिया) के 4 डिज़ाइन, (5) एअरपोर्ट, नियर खेरिया मोड़ क्रॉसिंग के 4 डिज़ाइन, (6) एनएच–2 (फिरोजाबाद–आगरा, नियर कुबेरपुर) के 6 डिज़ाइन एवं (7) एसएच–62 (बाह–आगरा रोड, नियर होटल रमाडा) के 5 डिज़ाइन प्रस्तुत किये गये।

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा सभी गेटों के प्रस्तुतिकरण देखने के उपरान्त निर्देशित किया गया कि इसमें सबसे पहले जयपुर–फतेहपुंर सीकरी–आगरा रोड के गेट पर राजस्थानी आर्किटेक्चर, बुलन्द दरवाजा आदि को प्रदर्शित करते हुये बनाया जाये। ग्वालियर से आगरा आने वाले रोड़ पर मध्यप्रदेश ग्वालियर शैली को प्रदर्शित करते हुए गेट बनाया जाये। फिरोज़ाबाद–आगरा रोड पर, लखनऊ का जो गेट़ बना है, उस का अध्ययन करके, उसी के ड़िजाइन के आधार पर यहाँ गेट बनाया जाये। लखनऊ में कालीदास मार्ग एवं गोमती नगर का गेट बनाया गया है, उसमें एक नया आइडिया लिया है। आप लोग भी उसी तरह का बनाइएगा, लेकिन ऐसा न लगे कि लखनऊ के गेट की नकल की गयी है। जब हम लोग दिल्ली से आगरा आते हैं और मथुरा से आगरा की तरफ आते हैं तो उस गेट के ऊपर ऐसा कुछ प्रदर्शित हो कि जैसे कि हम किसी धार्मिक सिटी से हेरिटेज सिटी में आ गए हैं, दरवाजे के चारों तरफ वो सेप आ जाए कि हाँ, अब हम आगरा में आ रहे हैं तथा आगरा से मथुरा की ओर जाते समय यह महसूस हो कि हम किसी धार्मिक सिटी के लिए जा रहे हैं, बंसी बजाते हुए श्री कृष्ण की मनमोहक छवि हो। इन प्रवेश द्वारों में कहीं–कहीं पूरे देश की विभिन्नता एवं नवीनता भी दिखाई पड़े, तो वैसा किया जाए। कहीं साउथ का दिखाई दे रहा है, कहीं नॉर्थ का दिखाई दे रहा है, कहीं राजस्थानी, मध्यप्रदेश ग्वालियर, बृज–संस्कृति मथुरा का दिखाई दे रहा है, तो वो इसमें शामिल कर लिया जाए, वो जो मोटा–मोटा आइडिया है, वह एक ही जैसा हो।

मण्डलायुक्त/चेयरमैन महोदय – द्वारा कहा गया कि हमें तो यह शो करना है कि जो भी आगरा में आएँ, तो हमें उनका स्वागत करना है। आगरा के जो फीचर हैं उनको भी देख लिया जाये। खुद ही हम अपना डिजाइन तैयार कर लें, जो बेसिक्ली डिजाइन हैं उनको और विकसित करने का प्रयास किया जाये।

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी प्रवेश द्वारों पर यह भी लिखा जाये कि "**आगरा आगमन पर आपका स्वागत है।**" आप इसकी जल्दी शुरूआत कर कार्य प्रारम्भ करो, जो कि अच्छा लगे। इस तरह से जगह–जगह पर गेट बनाए जाएँ, जिनमें बाहर थोड़ी नवीनता भी बनी रहें। एक आइडिया आपको मिल गया कि हमें ऐसा बनाना है और हम इसमें क्या और जोड़ सकते हैं, इस पर विचार कर लिया जाय।

मा0 विधायक डॉ0 जी.एस.धर्मेश जी – द्वारा सुझाव दिया गया कि यह सभी गेट अलग–अलग कम्पनियों को बनाने के लिए दिये जायें ताकि इनके तैयार होने में टाइम कम लगेगा।

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा कहा गया कि यह विकल्प अच्छा है, तो यह दोनों ही कन्सेप्ट ले लेते हैं। टीम लीडर, पी.एम.सी., को निर्देशित किया गया कि आप किसी मॉर्डन आर्किटेक्ट को बुलाइए जिससे कि रमाडा होटल की ओर गेट बनना है उसमें पुराना आर्किटेक्ट थोड़ा कम हो, नया आइडिया हम लोग दे रहें हैं, उसको ताजमहल के परिप्रेक्ष्य में इन सभी मेन गेटों पर बाहर की तरफ से प्रदर्शित करो। अपनी तरफ से आप इसमें मोटा–मोटा चेन्जेज कर ही सकते हो, बनाना तो उसी हिसाब से होगा, लेकिन आगामी बैठक में जब बैठें तब आप एक–एक गेट के चार–चार अलग–अलग आइडिया/डिज़ाइन बनाकर के दिखाइएगा, ताकि हम उनमें से फाइनल कर सकें।

मण्डलायुक्त/चेयरमैन महोदय – द्वारा कहा गया कि मेरा मन्तव्य है कि कुछ मॉडर्न टाइप के गेट हों, जिनमें ग्रीन ऐरिया ज्यादा हो और साइड में सही गैटअप आना चाहिए कि हाँ हम आगरा में प्रवेश कर रहे हैं, ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि यह लगे कि हम कहाँ आ गए हैं, पुराने जो गेट बनते थे वो सकरे बनते थे, उसका एक अलग सिस्टम था अब जो इतने बड़े वाहन आ रहे हैं तो उसके दृष्टिगत बड़े गेट बनने चाहिए।

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा कहा गया कि मेरा मन्तव्य तो यही है कि जब हम आगरा को स्मार्ट सिटी बना रहे हैं और आगरा जैसे शहर में प्रवेश द्वार बना रहे हैं तो निश्चित रूप से इसमें ऐसा ही बनाना चाहिए कि लोग रुक करके उसको देखें, और खुश होकर उसको देखें, यह बनाने वाले के ऊपर डिपेन्ड करता है। जैसा कि मैनें पहले ही कहा था कि लखनऊ वाले गेट को देखते हैं तो ऐसा नहीं कि वैसा ही बनाओ, लेकिन आगरा को भी ध्यान में रखें, कुछ नवीनता सी लगे, ऐसा न लगे कि उसकी नकल की गयी है, उसे ऐसा बनाएँ कि लोग उसे देखें, गेट एक बार ही बनता है, हम शहर को क्या दे रहें हैं ? एक बार अच्छे से गेट बन जाएँगे तो फिर कितने ही साल चलेंगे, अब जो गेट बनवा रहे हैं तो नाम अमर रहेगा आगरा स्मार्ट सिटी का, चलो ठीक है। अब आपकी समझ में आ गया, उसमें आगरा की बहुत सारी विशेषताएँ हों लेकिन पी.एम.सी. द्वारा जो कुछ भी कार्य किया जा रहा है, वह ठीक प्रकार से नहीं किया जा रहा है। यदि गेटों के मार्डन डिज़ाइन सही ढंग से बनाकर दिखा देते तो हम लोग आज ही गेट के डिज़ाइन फाइनल कर देते। आगे से यह स्थिति परिलक्षित नहीं होनी चाहिए।

(कार्यवाही – सीईओ,एएससीएल/टीम लीडर,पीएमसी)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी – द्वारा आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड के कार्यों की प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए बताया गया कि आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड में 40 प्रोजेक्ट हैं 40 में से 23 प्रोजेक्ट वो हैं जो स्मार्ट सिटी के हैं बाकी 17 ऐसे हैं जो कन्वरजैन्स अथवा पी.पी.पी. मॉडल पर प्रस्तावित हैं, उसमें अलग–अलग विभाग से पैसा आयेगा, कुछ ए.डी.ए. से पैसा आयेगा, कुछ नगर निगम का पैसा आयेगा, इसमें मैनें आपको पिछली मीटिंग में बताया था कि जो 220 करोड़ वाला काम है। उसमें आठ काम हैं, वो आठ काम पूर्ण हो चुके थे और उनका ऑपरेशन एन्ड मैन्टीनेन्स कराना था। अब उसका सर्वे कराके वो ऑपरेशन एवं मैन्टीनैन्स का कार्य हो रहा है जैसे– कहीं कुछ लाइटें नहीं जल रहीं है, सी.सी.टी.वी. कैमरे खराब हो गये हैं, ये सब चीजें बनी थीं जैसे–कूड़ेदान टूट गया, कहीं पिलर लगाये गये थे, साइड से वो टूट के गिर गये, यह छोटी–मोटी कमियाँ उसमें आई हैं अब वो चीज स्पष्ट हो रही है और वो मैन्टेनैन्स हो जाएगा तो अच्छा लगेगा। 21 परियोजनाओं की एन.आई.टी. जारी हो चुकी है, 14 परियोजनाओं के कार्यादेश/एल.ओ.आई. (लैटर ऑफ इन्टीमेशन) जारी हो चुके हैं, और 11 परियोजनाओं का कार्य प्रारम्भ होने की स्थिति (ऑन गोईंग) में है।

(कार्यवाही– ए.डी.ए./टीम लीडर, पीएमसी.)

मा0 विधायक डॉ0 जी.एस. धर्मेश जी – द्वारा कहा गया कि पिछली बार भी मेरे द्वारा लाइटों के सम्बन्ध में शिकायत की गयी थी कि क्षेत्र में लाइटें लगी थीं लेकिन वे जल नहीं रही हैं। बाजार दर से काफी मंहगी लाइटें लगाई गई हैं फिर भी खराब पड़ी है। जाँच होनी चाहिए। ए.डी.ए. को लाइटों को ठीक करा कर नगर निगम को हैन्डओवर करना चाहिए था।

मण्डलायुक्त/चेयरमैन महोदय – द्वारा ए.डी.ए. एवं टौरेन्ट विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि तत्काल उक्त क्षेत्र की सभी सम्बन्धित लाइटों की मरम्मत कराकर उन्हें ठीक कराया जाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार जमुना किनारे रोड की समस्त सम्बन्धित लाइटों को भी ठीक कराने के निर्देश दिये गये। मुख्य अभियन्ता, ए.डी.ए. को निर्देशित किया गया कि पहले सारी सम्बन्धित लाइटों को ठीक करायें फिर बाद में नगर निगम को हैन्डओवर करायें। जो क्षेत्र नगर निगम के एरिया में आता है वहाँ की सम्बन्धित लाइटें नगर निगम ठीक कराये और जो क्षेत्र ए.डी.ए., पी.डब्ल्यू.डी. के क्षेत्र में आता है उसे सम्बन्धित विभाग ठीक करायें। दक्षिणांचल एवं टौरैन्ट यह दोनों ही इलैक्ट्रीसिटी वाले विभागों की जिम्मेदारी है। इन दोनों को रिमाइन्ड करा दो।

(कार्यवाही–नगर आयुक्त/मुख्य अभियन्ता,ए.डी.ए./पीडब्ल्यूडी/मुख्य अभियन्ता,डी.वि.वि.एन.एल./म.प्र.,टौरेन्ट पॉवर लि.)

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा कहा गया कि यमुना किनारा रोड, एम.जी. रोड, फतेहाबाद रोड आदि मेन रोड पर जो पोल गिरे पड़े हैं, कहीं तार टूटे पड़े हैं, तार लटक रहे हैं, तो उनको तत्काल ठीक कराया जाये। सारे शहर में टोरैन्ट की ही सारी डिस्टीव्यूशन लाइनें हैं, पावर की लाइनें 11000–12000 वोल्टेज की पड़ी हैं, विद्युत पोल कहीं झुक गए या नीचे हो गए, कहीं तार लटक रहे हैं सड़क पर ट्रान्सफॉर्मर लगा है उसे साइड में शिफ्ट कराया जाये, एक पोल बीस साल पहले पुराना गढ़ा था, आज भी वो वहीं जर्जर अवस्था में है, उसे तत्काल हटवाया जाये। टोरैन्ट पॉवर को अन्डर ग्राउन्ड केबिल डाल कर सप्लाई सुनिश्चित करानी थी लेकिन आज भी एम.जी. रोड़ पर चार पोल गड़े हैं उस पर ट्रान्सफॉर्मर लगा हुआ है और चारों तरफ बिजली के तारों का जाल लगा होने के कारण स्थिति खराब है। इन सारे मेन रोडों की जो खराब स्थिति है वो विद्युत विभाग के कारण ही है। अतः मुख्य अभियन्ता, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम एवं महाप्रबन्धक, टोरैन्ट पावर लि. को निर्देशित किया गया कि मेन रोड की विद्युत व्यवस्था तत्काल ठीक कराया जाना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही– मुख्य अभियन्ता,डी.वि.वि.एन.एल./महाप्रबन्धक, टौरेन्ट पॉवर लि.)

मा0 विधायक डॉ0 जी.एस. धर्मेश जी – द्वारा अवगत कराया गया कि नाले में टौरेन्ट वाले केबिल डाल देते हैं और हटाने के नाम पर बिल थमा देते हैं। इसी क्रम में अवगत कराया गया कि एक ट्रान्सफॉर्मर नाले के पास से शिफ्ट किये जाने के लिए टौरेन्ट ने 5 करोड़ रुपये का बिल पी.डब्ल्यू.डी. विभाग को भेजा है कि जब 5 करोड़ रुपये मिल जायेंगे तब ट्रान्सफॉर्मर शिफ्ट होगा। टौरेन्ट कम्पनी ने कमाई का जरिया बना रखा है।

(कार्यवाही–महाप्रबन्धक, टौरेन्ट पॉवर लि.)

मा0 महापौर जी – द्वारा अवगत कराया गया कि टोरेन्ट कं0 ने नालों में केबिलें डाल रखी हैं मैनें स्वयं अपनी आँखों से देखा है। यदि कोई दुर्घटना हो जायेगी, तो ये लोग जेल जाने के काम कर रहें हैं। टौरेन्ट के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आप इन्हें ठीक कराइये। माल रोड़ पर एक पोल है जो सड़क के बीच में आ गया है उसे तत्काल शिफ्ट कराने के निर्देश दिये गये। आवास विकास की नालियों में पोल लगा रखे हैं जिसके कारण नालियों का पानी नहीं निकल पा रहा है उन पोलों को नालियों में से हटाकर अन्यत्र शिफ्ट कराने के निर्देश दिये गये। टौरेन्ट कम्पनी के श्री देसाई जी आज की बैठक में क्यों नहीं उपस्थित हुए हैं।

(कार्यवाही–महाप्रबन्धक, टौरेन्ट पॉवर लि.)

मण्डलायुक्त/चेयरमैन महोदय – द्वारा टौरेन्ट पॉवर लि. के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये गये कि अन्डरग्राउन्ड केबिल डालिये लेकिन नालों में से केबिल नहीं जायेंगी, नालों से केबिल शिफ्ट कराने एवं फतेहाबाद रोड, जमुना किनारा रोड, एम. जी. रोड आदि मेन रोडों से क्षतिग्रस्त विद्युत पोल, ट्रान्सफॉर्मर, केबिलें आदि शिफ्ट कराने हेतु निर्देश दिये गये। नगर आयुक्त को निर्देर्शित किया गया कि वे अपने क्षेत्र की स्ट्रीट लाइटें खराब होने की शिकायतें दर्ज कराने हेतु हैल्प लाइन नम्बर समस्त दैनिक समाचार–पत्रों के माध्यम से जनसामान्य के सूचनार्थ विज्ञप्ति प्रकाशित कराना सुनिश्चित करें।

फतेहाबाद रोड के केबिलों आदि को शिफ्ट कराये जाने हेतु एस्टीमेट टोरैन्ट पावर लि. द्वारा बनाकर देने एवं दक्षिणांचल विद्युत विभाग को जाँच करने हेतु स्मार्ट सिटी की पिछली बैठक में निर्देशित किया गया था, उक्त के सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गये कि यह देख लें कि वह टोरैन्ट कम्पनी के द्वारा दिया गया एस्टीमेट प्रस्तुत एस्टीमेट के अनुसार सही है अथवा नहीं, यदि प्रस्तुत एस्टीमेट के अनुसार सही नहीं है तो इसी आधार पर अपनी रिपोर्ट बनाकर भेजिये उसी के आधार पर शासन को अवगत कराकर इनके खिलाफ कार्यवाही करायी जायेगी। इसी प्रकार एम.जी. रोड पर भी अन्डरग्राउन्ड केबिल शिफ्ट कराने के लिए प्रोजेक्ट बनाने हेतु निर्देश दिये गये। मुख्य अभियन्ता, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि. को निर्देशित किया गया कि टोरैन्ट द्वारा कैबिलें हटाने, ट्रान्सफॉर्मर शिफ्ट करने, पोल शिफ्ट करने आदि सम्बन्धी बढ़ा–चढ़ा कर दिये गये समस्त प्रस्तुत एस्टीमेट एवं इनके द्वारा किये गये एग्रीमैन्ट को लेकर अपनी रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत कीजिये।

(कार्यवाही–नगर आयुक्त/मुख्य अभियन्ता,डी.वि.वि.नि.लि./टौरेन्ट पॉवर लि.)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी – द्वारा डवलॅपमैन्ट ऑफ शाहजहाँपार्क के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि इसमें पार्क में बहुत सारी लाइटें लगनी हैं अन्दर बच्चों के खेलने की जगह है, बच्चों के लिए झूले आदि लगने हैं, यह जो प्रोजेक्ट चल रहें है कन्वरजैन्स के हैं इनमें वर्ल्ड बैंक का पैसा लगा है, और पूरा प्रोजेक्ट पर्यटन विभाग का है और वही इसे मैन्टेन करेंगें। 21 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है इसमें फर्नीचर आदि भी लगना है, बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है। इसमें ए.डी.ए. कार्यदायी संस्था के रूप में कार्य कर रही है।

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा मा0 विधायक डॉ0 जी.एस. धर्मेश जी से कहा गया कि ए.डी.ए. द्वारा शाहजहाँ पार्क में एवं फतेहाबाद रोड पर कराये जा रहे कार्यों का निरीक्षण कराने हेतु कल का समय निर्धारित किया गया तथा मुख्य अभियन्ता, ए.डी.ए. को स्थलीय निरीक्षण कराने एवं जो भी कमियाँ/सुझाव बताये जायें उन्हें तदनुसार कराने हेतु निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही– मुख्य अभियन्ता, ए.डी.ए.)

मा0 महापौर – द्वारा कहा गया कि माल रोड़ पर जो डिवाइडर हैं आप अगर उसको नीचे कर के कच्चा करादें तो उसमें पौधे लग जायेंगें तो यह बहुत अच्छा हो जायेगा। मोक्षधाम से जमुना किनारा की ओर जाने वाली रोड पर ए.डी.ए. द्वारा ग्रिल लगाई गयी हैं उसे पेन्टिंग कराने हेतु निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही– मुख्य अभियन्ता, ए.डी.ए.)

मण्डलायुक्त/चेयरमैन महोदय – द्वारा निर्देशित किया गया कि यह अच्छी बात है इसे तो आप करा ही लीजिए, यह जो फतेहाबाद रोड़ बन रहा है उसमें भी डिवाइडर एवं यूटिलिटी डक्ट के आस–पास पेड़–पौधे लगवाया जाना सुनिश्चित किया जाये।

(कार्यवाही– टीम लीडर, पीएमसी,एएससीएल)

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा कहा गया कि फतेहाबाद रोड़ पर कोई सिमिलरिटी नहीं है किनारों पर कहीं मोटा पतला कर दिया गया है, मुगल पुलिया के सामने यमुना एक्शन प्लान वालों की पाइप लाइन शिफ्ट होना है। जल निगम एवं पी.डब्ल्यू.डी. दोनों विभागों के अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया कि मा0 विधायक जी को फतेहाबाद रोड के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करायें। एक सुझाव है मेरा, जैसा जयपुर में तीन फीट बाउन्डरी रोड पर खींच दी गयी है, तो वैसे ही यह हमारी फतेहाबाद रोड पर भी हम ऐसा कुछ क्यों नहीं कर सकते हैं? उन्होंने बहुत अच्छा बनाया है रोड़ को, और उसमें गेट भी दे दीजिए, जिससे कि अतिक्रमण नहीं होगा और क्षेत्रीय नागरिकों को सर्विस लेन भी मिल जायेगी। अवगत कराया गया कि इसमें केवल यही दिक्कत आएगी कि जितने भी होटल वाले है वो इसका विरोध करेगें। पी.डब्ल्यू.डी. के अधिशासी अभियन्ता श्री नरेश कुमार से पूछा गया कि आप यह बतायें कि आप फतेहाबाद रोड़ के काम से सन्तुष्ट हैं? फतेहाबाद रोड़ टेड़ा–मेड़ा बना है, उसे हाइवे की तरह से बढ़िया बनाने हेतु निर्देशित किया गया। उसके आस–पास जो पेड़ खड़े हैं उनकी क्या स्थिति है ? जो पेड़ कटने हैं उनको कटवाने हेतु निर्देशित किया गया। अधिशासी अभियन्ता, पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा अवगत कराया गया कि उद्यान विभाग द्वारा पेड़ काटने में काफी शिथिलता बरती जा रही है, उनके विभागाध्यक्ष इटावा में बैठते हैं।

(कार्यवाही–मुख्य अभियन्ता,जल निगम/अधीक्षण अभियन्ता, पी.डब्ल्यू.डी./उपनिदेशक, वन विभाग)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी – द्वारा अवगत कराया गया कि 944 करोड़ रुपये के 14 काम हमारे स्टार्ट हो गए हैं उनके उद्घाटन के लिए मा0 सांसद जी, मा0 महापौर जी, एवं मा0 विधायक जी से समय भी माँगा गया था। जिनमें डेवलपमेंट ऑफ स्ट्रीट वेंडिंग जोन, डेवलेपमेंट ऑफ पब्लिक ऑटोमैटेड सेल्फ क्लीनिंग ट्वेलेट्स (8 लोकेशन), डेवलपमेंट ऑफ हेरिटेज वॉक, जंक्शन इम्प्रूवमेंट (बिजलीघर चौराहे से प्रारम्भ हो चुका है), ब्यूटिफिकेशन एण्ड स्ट्रीटस्केपिंग ऑफ फतेहाबाद रोड, इन्टेन्सिव ब्युटिफिकेशन ऑफ 2 कि.मी. रेडियस अराउण्ड ताजमहल, मास्टर सिस्टम इन्टीग्रेटर (एम.एस.आई.), डिजिटल एजुकेशन इन नगर निगम बॉयज इंटर कॉलेज एन्ड नगर निगम गर्ल्स हाई स्कूल इन ताजगंज, आगरा, फसाड इम्प्रूवमेंट ऑफ ट्रेडिसनल हाउसेस अलॉग दरेशी रोड, माईक्रोस्किल डेवलपमेंट सैन्टर, अपग्रेडेशन ऑफ म्युनिस्पिल स्कूल इन ताजगंज, आगरा (सिविल वर्क), प्रोविजन ऑफ म्युनिस्पिल हैल्थ सैन्टर, वूमेन डिस्ट्रेस सैन्टर एवं जंक्शन इम्प्रूवमेंट (पैन सिटी), इन्टीग्रेटेड कन्ट्रोल कमाण्ड सेन्टर (कुल परियोजना लागत रु. 282.65 करोड़) सम्मिलित हैं। जिसमें स्मार्ट पार्किंग, स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग, वाटर स्काडा, स्मार्ट वाटर मीटर, सीवेरेज, स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज, हैल्थ क्यौस्क, ई–एजुकेशन, डिएस्टर मैनेजमैन्ट, स्मार्ट पोल्स, एनी अदर सेन्र्सस/सिस्टेम्स आदि लगाये जाने हैं।

(कार्यवाही– नोडल अधिकारी/टीम लीडर,पीएमसी,एएससीएल)

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा कहा गया कि एस.टी.पी. के लिए जो भी पैसा सुनिश्चित किया गया है यह भी जब लगेगा जब पहले वाला ओके हो जाएगा, मैं आगे की बात कर रहा हूँ आगे जो प्लान है सर आप चाहे कितना भी कर लो फिर वहीं गंदा पानी आना है मथुरा का पानी, दिल्ली का पानी, तो अब जो प्लान बना है वो पूरा बना हुआ है तीन शहरों का चयन हो चुका है– दिल्ली, मथुरा, आगरा वो इस प्लान में दिल्ली से आगरा होते हुए जाए, यह जो आगे का प्लान है तो अपने आप ही समस्या सॉल्व हो जाएगी, माननीय गडकरी जी द्वारा इसे देखा जा रहा है।

यमुना किनारे जो मैदान है, जहाँ घास भी लगी है, वहाँ पर ए.एस.आई. वालों ने बीच में सीमेन्ट के पोल लगाकर डिवाइड कर लिया है, उसे हटवाना है, वहाँ से बीच में भले ही आप लोग छोटा–छोटा डिवाइडर बना दीजिए फूलों का और वो इतना बड़ा 100 एकड़ का मैदान होगा जो दुनिया का सबसे अच्छा मैदान वहीं होगा, वहीं से ताजमहल, लालकिला, एत्माद्दौला दिखाई दे रहा है। बस एक बात यह है कि नगर निगम ने उसमें पैसा दिया है 50 लाख और ए.डी.ए. ने भी 50 लाख दिया है और वो डवलप हो रहा है, वो तो बहुत अच्छा स्थान है, सारे लोग वहाँ आयेंगे, बीच जैसा हो जायेगा। बस यमुना में पानी व लाइटिंग हो जाए और रोप–वे लग जायें, ऐसी कौन–सी जगह है जहाँ पर दो वर्ल्ड हेरीटेज एक साथ दिखाई दे रहें हों, ताजमहल और लालकिला बिलकुल वहाँ से ऐसा लगता है जैसे पास ही में हैं। हम सब वहाँ चन्द्रशेखर पार्क में सफाई करने जा रहें हैं। आप कल्पना भी नहीं करेंगें वहाँ चन्द्रशेखर पार्क में आज तक सफाई नहीं हुई है, चन्द्रशेखर जी की मूर्ति लगी हुई है, हम वहीं जा रहे हैं, आप लोगों को भी प्रातः 9 बजे वहीं आना है दो घण्टे सफाई करेगें। हार्टिकल्चर वालों को भी काम कराने के लिए 5–6 लाख रुपये दिये जाएं।

(कार्यवाही – मुख्य अभि0 एडीए/मुख्य अभियन्ता,जलनिगम/एएसआई/डिप्टी डायरेक्टर, हार्टिकल्चर)

टीम लीडर, पीएमसी – द्वारा अवगत कराया गया कि सोलर इन्स्टालेशन अन्डर ऐस्क्रो मोड में कुल प्रोजेक्ट लागत रु. 26.54 करोड़ है। जिसमें सोलर पैनल्स, इन्वर्टर एण्ड इन्टरकनेक्टर्स, सर्विस बॉक्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूशन पैनल, यूटिलिटि मीटर आदि लगाये जाने हैं। मास्टर सिस्टम इन्टीग्रेटर में 790 फिक्स बॉक्स एण्ड 326 पीटीजेड कैमरा 43 लोकेशन इमरजैन्सी पैनिक बटन पब्लिक एड्रैसिंग सिस्टेम आदि लगाये जायेंगे, जिसमें सेफ्टी एण्ड सिक्योरिटी सरविलैन्स सिस्टेम, इन्टैलिजेन्ट ट्रैफिक मैनेजमैन्ट सिस्टेम, एडाप्टिव ट्रैफिक कन्ट्रोल सिस्टेम, सॉलिड वेस्ट मैनेजमैन्ट सिस्टेम, इन्टरप्राइज एन्ड सिटी जीआईएस एन्ड एन्वायरमेन्टल सेन्सर, नैटवर्क कनैक्टिविटी, आर्टिफिशियल इन्टैलिजैन्स डीप लर्निंग एन्ड एज एनालिटिक्स, डॉटा सैन्टर एण्ड डिसेस्टर रिकवरी, इन्टीग्रेटेड कमान्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के लिए एक कमान्ड कन्ट्रोल रूम बनेगा जिसमें यह सब वीडियो कॉल और 28 कम्प्यूटर ऑपरेटर होंगे जिसमें यह सब सिस्टम को व्यू किया जायेगा। यह कमान्ड रूम नगर निगम की बिल्डिंग में ही बनाने का काम कल से शुरू हो गया है। स्मार्ट डोर टू डोर वेस्ट कलैक्शन प्रोसेस के लिए सभी गाड़ियों में जीपीएस एवं आरएफआईडी टैग लगाये जायेंगे ताकि उनकी मॉनिटरिंग (डेविका डैटा, एफिशिएन्ट ऑपरेशन, सिटिजन सैटिस्फैक्शन, वहिकल एफिशियेन्सी, रेवेन्यू इन्क्रीज आदि) आसानी से की जा सके।

मा0 अध्यक्ष महोदय – को नगर आयुक्त द्वारा अवगत कराया गया कि एम0एस0आई0 का कार्य बेल (भारत इलैक्ट्रोनिक लिमिटेड) कम्पनी द्वारा किया जा रहा है। सम्बन्धित सभी जिम्मेदार अधिकारियों का नम्बर सभी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये, ताकि किसी भी शिकायत के निराकरण हेतु जनप्रतिनिधि सम्बन्धित अधिकारियों से सम्पर्क कर बात कर सकें। नगर आयुक्त साहब, यह जो काम हो रहा है, जैसा कि हमने गेट वाला विजन देखा, पीएमसी द्वारा कुछ नहीं किया गया है। टीम लीडर, पीएमसी को निर्देशित किया गया कि आप लोगों ने इसे कोई गम्भीरता से नहीं लिया है यह गलत बात है। जब भी कोई काम शहर में शुरू करो, सभी जन–प्रतिनिधियों को सूचना अवश्य दी जाए, चाहे वह सम्बन्धित वार्ड का मैम्बर हो, विधायक हो, सांसद हो, मा0 महापौर हों, इन सभी जनप्रतिनिधियों को सूचना जरूर भेजी जाए। स्मार्ट सिटी के सम्बन्ध में आज जो बैठकें हो रहीं हैं इसकी जानकारी हमें तो है पर जनता को भी इसकी जानकारी होनी चाहिए, लोगों को अभी तक इसके सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं है कि स्मार्ट सिटी में क्या हो रहा है ? नगर आयुक्त साहब, आप अखबार में प्रेस विज्ञप्ति दीजिए, जगह–जगह आप होर्डिंग्स/बोर्ड लगवाइये और होर्डिंग्स/बोर्ड के लिए आप शहर के बीस प्रमुख स्थान चुनिये और उनमें पूरा विवरण प्रस्तुत करें कि किस परियोजना में कितनी धनराशि खर्च कर रहे हैं ? कितना पैसा सरकार ने दिया है ? ये मेसेज सभी जनसाधारण में जाना चाहिए कि अगर किसी को कोई सुझाव भी देना हो तो निर्दिष्ट मोबाइल नम्बरों पर सुझाव दिये जा सकते हैं।

(कार्यवाही– मुख्य कार्यकारी अधिकारी/नोडल अधिकारी/टीम लीडर,पीएमसी)

मण्डलायुक्त/चेयरमैन महोदय – द्वारा कहा गया कि जैसा मेयर साहब कह रहे हैं एक ऐसा कम्पलेन्ट रूम बनाइये जिससे कि कोई भी कम्पलेन्ट हो तो वहाँ पर दर्ज हो सके, वेवसाइट को भी अपडेट कीजिए, जो भी काम हो गया है उसको वेवसाइट पर अपडेट करा दीजिए और जो वेवसाइट है उसको सोशल मीडिया से भी लिंक करा दीजिए।

(कार्यवाही– नगर आयुक्त/सीईओ/नोडल अधिकारी/टीम लीडर,पीएमसी,एएससीएल)

मा0 अध्यक्ष महोदय – द्वारा कहा गया कि आप सभी लोग भी अपने बहुमूल्य सुझाव देते रहें। अभी तक स्मार्ट आगरा का कोई विज़न नहीं था, हम जितना कर सकते थे किया है। यह गेट बन जायेगें तो लोग कहेगें कि हाँ स्मार्ट सिटी में कुछ हुआ है। यह हम लोगों ने जुड़वाया है जिससे दिखाई दे कि यह स्मार्ट सिटी है। इसमें एकाध लोगों को और जोड़ लीजिए। हमारा कहना यह है कि हमारी जो यह मीटिंग हुई है अगर पहले भी ऐसी ही मीटिंगें होती रहतीं तो और अच्छे सुझाव आ सकते थे जो भी प्लस माइनस की बात हुई है। जब बारह, पन्द्रह, बीस लोग बैठते हैं मीटिंग में, तो और भी अच्छे सुझाव आते हैं और चार लोग किसी बात पर निर्णय करेगें तो चार लोगों का दिमाग लगता है। जब बीस लोगों के बीच में चर्चा होती है तो बीस लोगों का दिमाग लगता है तो एक अच्छा निर्णय निकल के सामने आता है और हो सकता है कि यह मीटिंग लगातार होती रहे, महीने में एक बार, और उस वक्त मीटिंग में यह पूरी टीम होनी चाहिए और अन्य विभागों के अधिकारियों को भी बुलाया जाए ताकि एक अच्छा काम हम आगरा की जनता के लिए कर सकें। सब लोग तारीफ करेगें कि आगरा के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने मेहनत करके एक अच्छा काम किया है। जनता की बातें हम लोगों को बहुत सुनने को मिलती हैं। जनता हम लोगों को पकड़ेगी, तो कोई ऐसी स्थिति बाद में पैदा न हो, उससे पहले ही हम सचेत होकर, काम ठीक ढंग से करें तो यही अच्छा रहेगा।

(कार्यवाही– मुख्य कार्यकारी अधिकारी/नोडल अधिकारी/टीम लीडर,पीएमसी)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी – द्वारा एजेन्डे के बिन्दु–3 आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड के कार्यों की निगरानी हेतु अनुश्रवण समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को नामित करने के सम्बन्ध में कहा गया। मण्डलायुक्त महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि आगरा स्मार्ट सिटी लि0 की सिटी एडवाइजरी कमेटी पूर्व से ही अस्तित्व में हैं, नयी कमेटी की कोई आवश्यकता नहीं है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी – द्वारा एजेन्डे के बिन्दु–4 आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अब तक हुए आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया गया कि वर्ष 2015 से 20.11.2018 तक **आय पक्ष में** सरकार से प्राप्त धनराशि रु. 216 करोड़ में केन्द्रांश रु. 109 करोड़ एवं राज्यांश रु. 107 करोड़ है, जिस पर बैंक से प्राप्त ब्याज रु 7.73 करोड़+सी.एस.आर. +एक्सिस बैंक से रु. 20 लाख+निविदा शुल्क रु. 13,25,786; कुल योग रु. 224.06 करोड़ के सापेक्ष **व्यय पक्ष में** निर्माण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर व्यय रु. 11,68,17,236 (कम्पनी रजि. एवं आर.ओ.सी. शुल्क रु. 2,50,57,400+कार्यालय निर्माण रु. 38,20,126 + आई.टी. कार्य रु. 9,41,685+रु. पी.एम.सी. रु. 8,18,27,625+क्रिसिल, (स्मार्ट सिटी प्रपोजल) रु. 51,70,400) + प्रोजेक्ट व्यय रु. 29,11,11,607 (विज्ञापन व्यय रु. 12,41,674+डिवलैपमेंट ऑफ हेरिटेज वॉक रु. 5,85,032+एम.एस.आई. रु. 28,26,57,330

+ सौन्दर्यीकरण फतेहाबाद रोड रु. 66,27,571) + वेतन एवं अन्य व्यय रु. 38,65,303 (एएससीएल. स्टॉक रु. 31,68,963.55 + अधिवेशन व्यय रु. 1,66,552 + कार्यालय एवं विविध व्यय रु. 5,22,913.38 + बैंक चार्ज रु. 6,874.22) कुल भुगतान रु. 41,17,94,146.15.

अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से :–

1. आगरा में लगभग एक–दो महीने कोहरा पड़ता है और बाहर से देशी–विदेशी पर्यटक आगरा शहर में आते हैं उसके सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि रोड़ के किनारे कोई भी नाले/सीवर के गढ्ढे खुले न पड़े हों और सर्दियों में कोहरे में पूरे शहर में मुख्य–मुख्य मार्गों पर 50–60 पीली वाली फ्लड लाइटें लगवा दी जायें ताकि कोहरे के कारण कोई सड़क दुर्घटना न घटित हो। सड़कों के किनारे बड़े खुले नालों पर वाउन्ड्रीवाल/बैरीकेडिंग आदि लगवायी जाये।

(कार्यवाही– नगर आयुक्त/मुख्य अभियन्ता,एडीए/मुख्य अभि0.डीविविएनएल/टौरेन्ट पावर)

2. आगरा शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर सिंग्नल लाइट की सुव्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही– नगर आयुक्त/एस.पी. ट्रैफिक/टीम लीडर,पीएमसी)

3. आगरा शहर में बन्दरों के आतंक को रोकने हेतु क्षेत्रीय नागरिकों को जागरूक करने, समाचार–पत्रों एवं होटलों आदि सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक जागरूकता अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये ताकि लोग बन्दरों से दूर रहें और उनके फोटो आदि न खींचे एवं वन विभाग द्वारा बन्दरों/वन्य जीवों को पकड़वाकर, स्थान चयनित कर, किसी सुरक्षित वन्य स्थल में छोड़ने हेतु निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही– नगर आयुक्त/डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट ऑफिसर/मुख्य अभि0.एडीए/पशु चिकित्सा अधिकार.,

4. टीम लीडर,पीएमसी को निर्देशित किया गया कि जो भी कार्य कराये जा रहे हैं उनका मुख्य–मुख्य स्थलों पर होर्डिंग्स/बोर्ड आदि लगवाकर अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार किया जाना सुनिश्चित किया जाये। अगली मीटिंग में मीडिया को भी बुलाने हेतु निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही–नगर आयुक्त/सी.ई.ओ, ए.एस.सी.एल./टीम लीडर,पीएमसी)

5. टीम लीडर, दाराशॉ/पीएमसी को निर्देशित किया गया कि आर्कीटैक्ट और एक्सपर्ट बढ़ाए जाएँ। पीएमसी को कार्य में शिथिलता बरते जाने के लिए नोटिस जारी किया जाये।

(कार्यवाही–नगर आयुक्त/सी.ई.ओ, ए.एस.सी.एल./टीम लीडर,पीएमसी)

6. नगर आयुक्त/सी.ई.ओ. की अध्यक्षता में मुख्य अभियन्ता, ए.डी.ए./मुख्य अभियन्ता, जल निगम/ एस.ए.,ए.एस. आई./अधीक्षण अभियन्ता, पी.डब्ल्यू डी. आदि विभागों को फतेहाबाद रोड के संयुक्त निरीक्षण की रिपोर्ट देनी है।

(कार्यवाही– नगर आयुक्त/मुख्य अभि0,एडीए/मुख्य अभि0,जलनिगम/अधी0अभि0,पीडब्ल्यूडी/एस.ए.,ए.एस.आई.)

7. सारे प्रोजेक्ट्स के माइलस्टोन एडवाइजरी फोरम के सभी सदस्यों को दिये जायें।

(कार्यवाही–नगर आयुक्त/सी.ई.ओ, ए.एस.सी.एल./टीम लीडर,पीएमसी)

8. टोरैन्ट पावर के कॉन्ट्रेक्ट को चेयरमेन द्वारा रिव्यू करना है अतः टोरेन्ट पावर द्वारा किये गये एग्रीमेन्ट एवं टोरेन्ट पावर द्वारा दिये गये एस्टीमेट प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही– मुख्य अभियन्ता, डीविविएनएल)

अन्त में, सभी को धन्यवाद देते हुए बैठक की कार्यवाही समाप्त की गयी।

(अरुण प्रकाश)
नगर आयुक्त/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड,
नगर निगम, आगरा।

कार्यालय, नगर आयुक्त/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड, आगरा।

संख्या : 674/ए.एस.सी.एल/2018 दिनांक : 01-12-2018

प्रतिलिपि :– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. मा0 सांसद, अध्यक्ष, अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग, भारत सरकार, आगरा को सादर अवलोकनार्थ।
2. मा0 महापौर, नगर निगम, आगरा।
3. मा0 विधायक श्री जगन प्रसाद जी गर्ग
4. मा0 विधायक डॉ0 जी.एस. धर्मेश जी
5. मा0 विधायक श्री राम प्रताप सिंह जी
6. मा0 विधायक श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी
7. मण्डलायुक्त/अध्यक्ष, आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड, आगरा को अवलोकनार्थ।
8. जिलाधिकारी, आगरा।
9. उपाध्यक्ष, आगरा विकास प्राधिकरण, आगरा
10. अपर नगर आयुक्त/अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आगरा स्मार्ट सिटी लि0, नगर निगम, आगरा।
11. डॉ0 अरविन्द मिश्रा, सलाहकार कुलपति, आगरा/अध्यक्ष, लायन्स क्लब, आगरा।
12. डॉ0 संदीप अग्रवाल, सेक्रेटरी, आगरा कैंसर सोसाइटी
13. डॉ0 रोहित बंसल, लोकल यूथ सैक्रेटरी, द विजन
14. डॉ0 वाई.के. गुप्ता, प्रो.चांसलर, शारदा ग्रुप
15. समस्त स्टेक होल्डर्स
16. टीम लीडर, दाराशॉ, पी.एम.सी., आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड, आगरा

(अरुण प्रकाश)
नगर आयुक्त/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड,
नगर निगम, आगरा।